



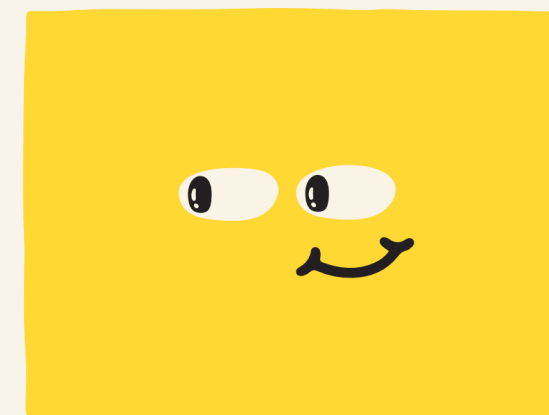
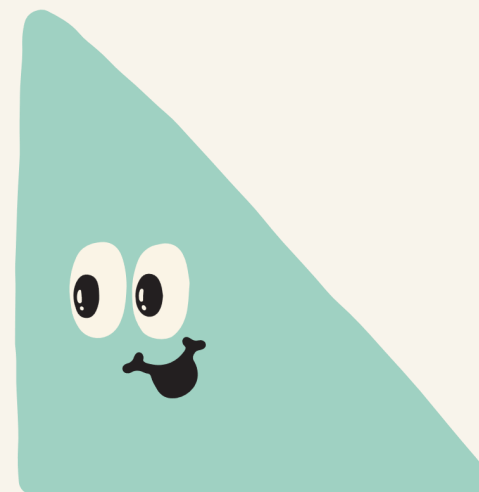
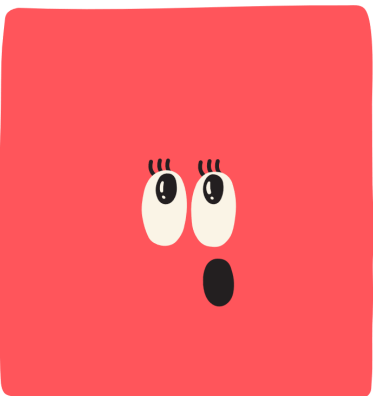
Basundhara Teachers'
Training college,
Muzaffarpur, Bihar

Mathematics
SESSION 2021-2023

Submitted by

Nidhi Kumari
Roll no 41

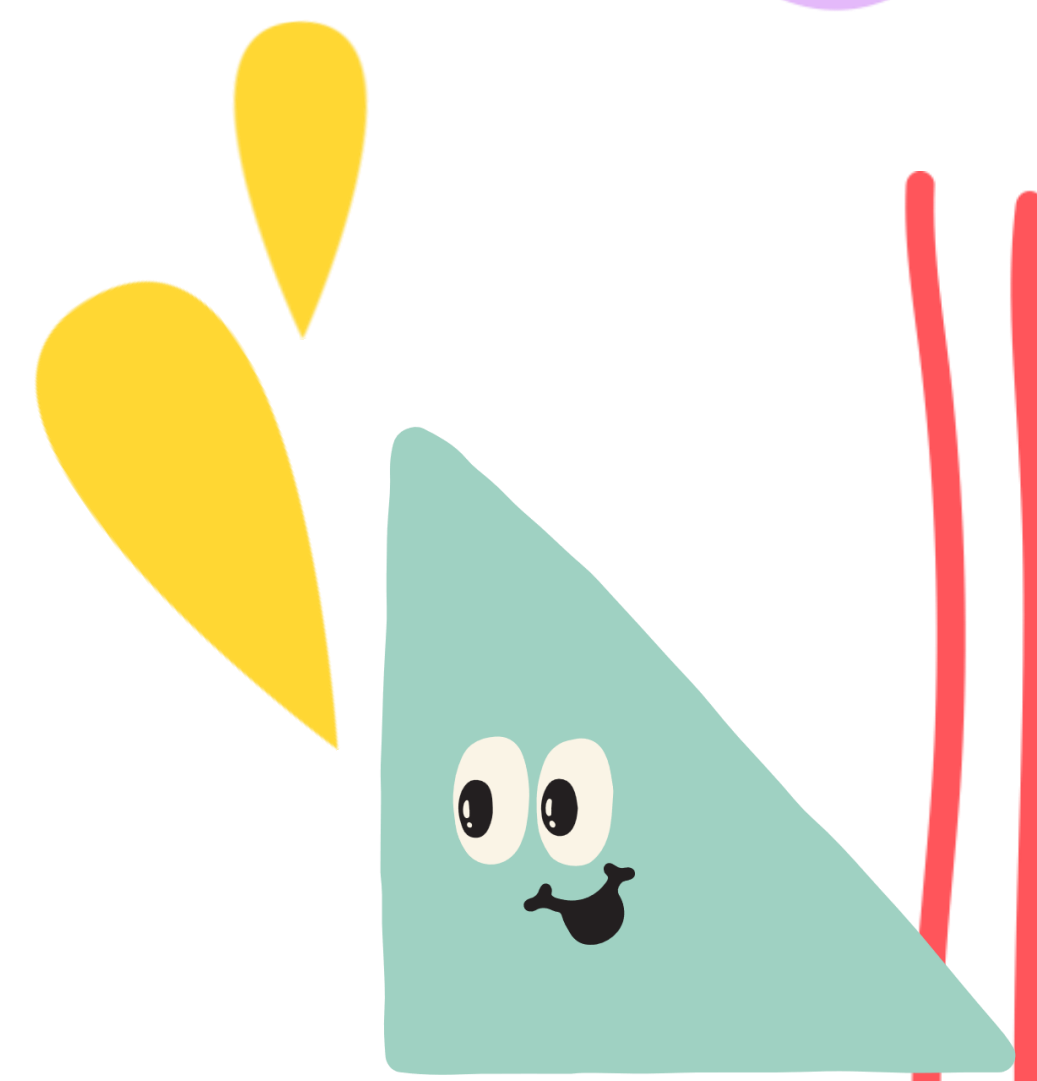
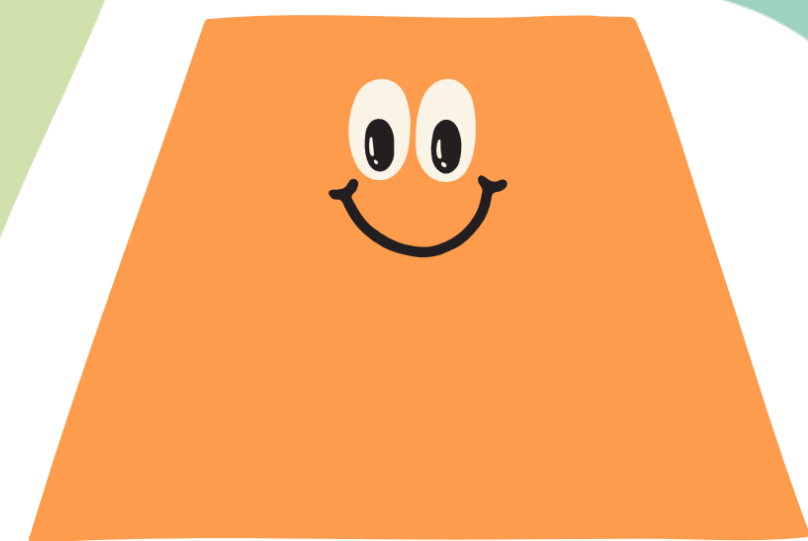
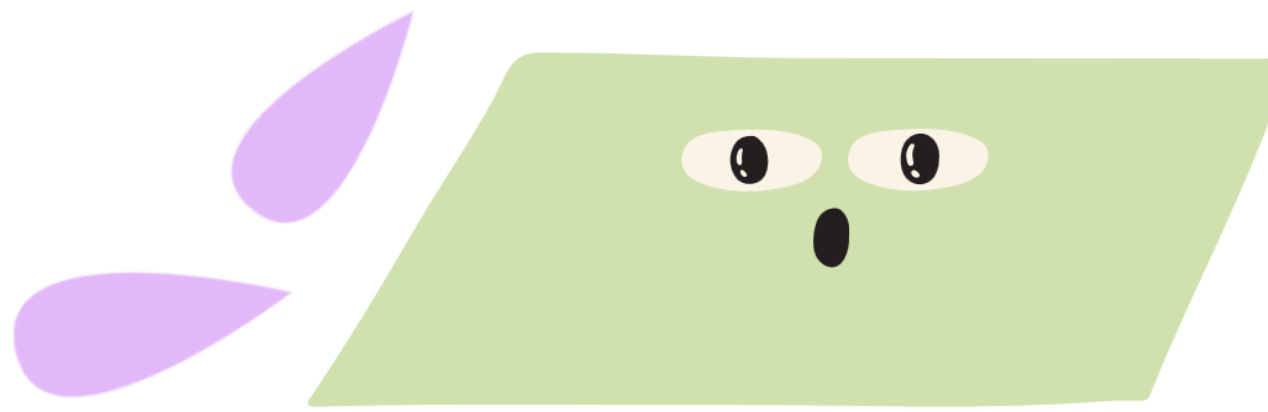
Affiliated by
BRABU,
Muzaffarpur



AREA (क्षेत्रफल)

यह क्या है ?

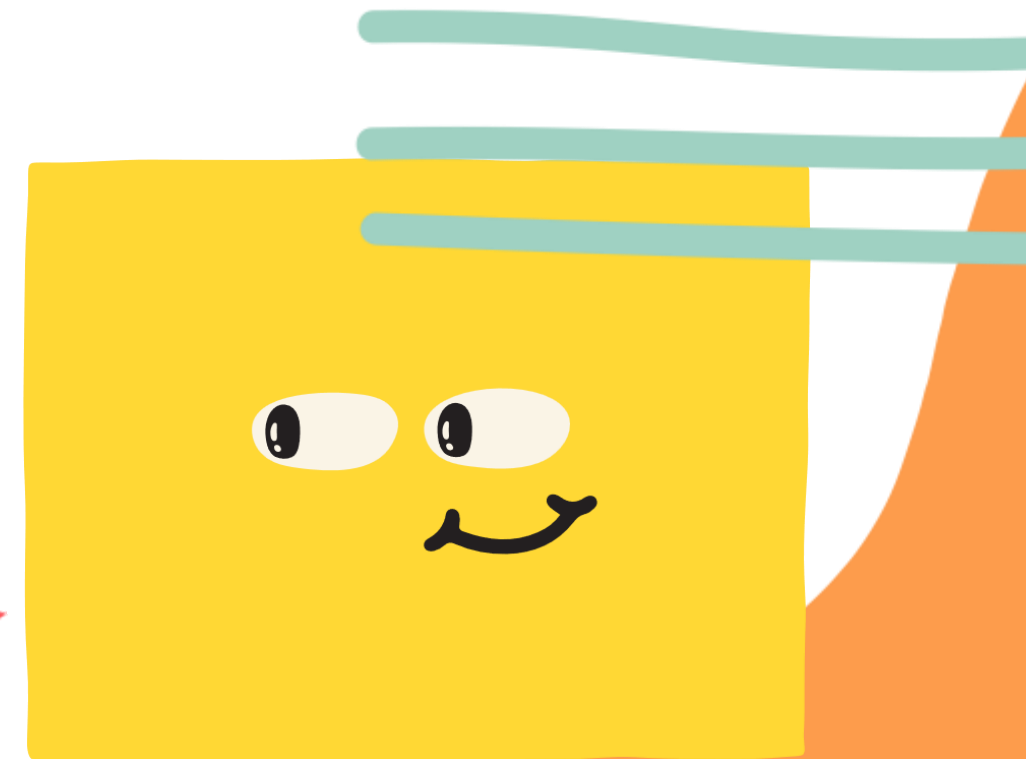
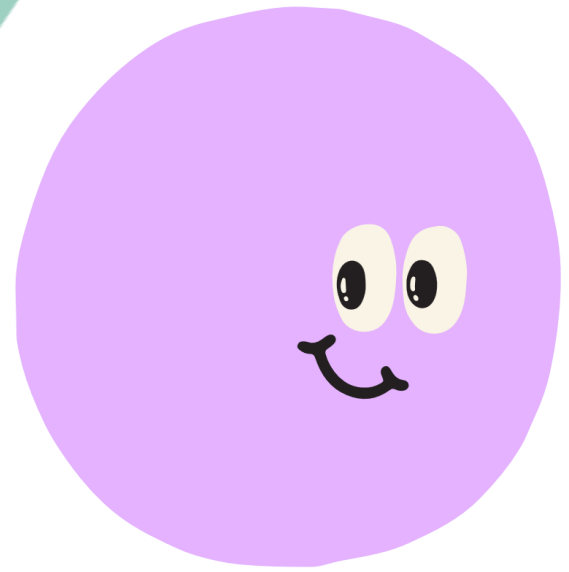
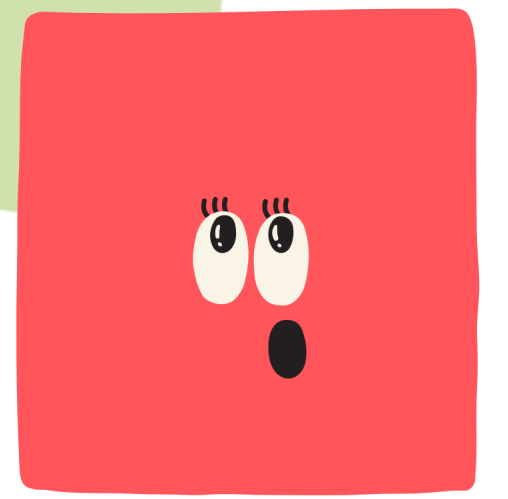
क्षेत्रफल एक द्वि-आयामी आकृति द्वारा घेरी गई जगह की मात्रा है। दूसरे शब्दों में, यह वह मात्रा है जो एक बंद आकृति की सतह को ढकने वाले इकाई वर्गों की संख्या को मापती है। क्षेत्रफल की मानक इकाई वर्ग इकाई है।



PERIMETER(परिमाप)

यह क्या है ?

किसी आकृति के परिमाप को आकृति के चारों ओर की कुल दूरी के रूप में परिभाषित किया जाता है। यह किसी भी द्वि-आयामी ज्यामितीय आकार की रूपरेखा या सीमा की लंबाई है। आयामों के आधार पर विभिन्न आकृतियों का परिमाप माप में समान हो सकती है।

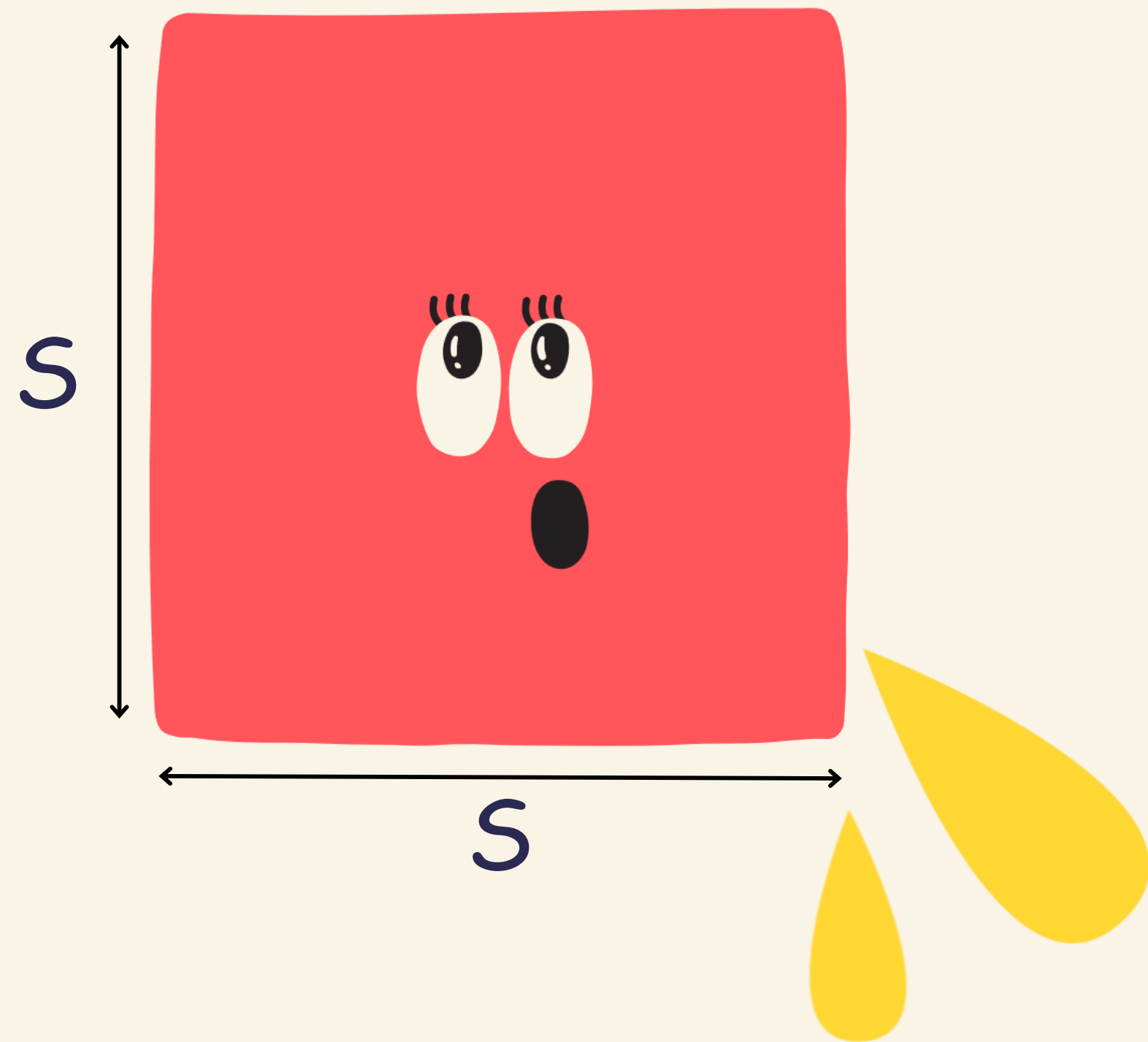


FORMULAS

सामान्य आकृतियों के क्षेत्रफल
एवं परिमाप



S Q U A R E (वर्ग)



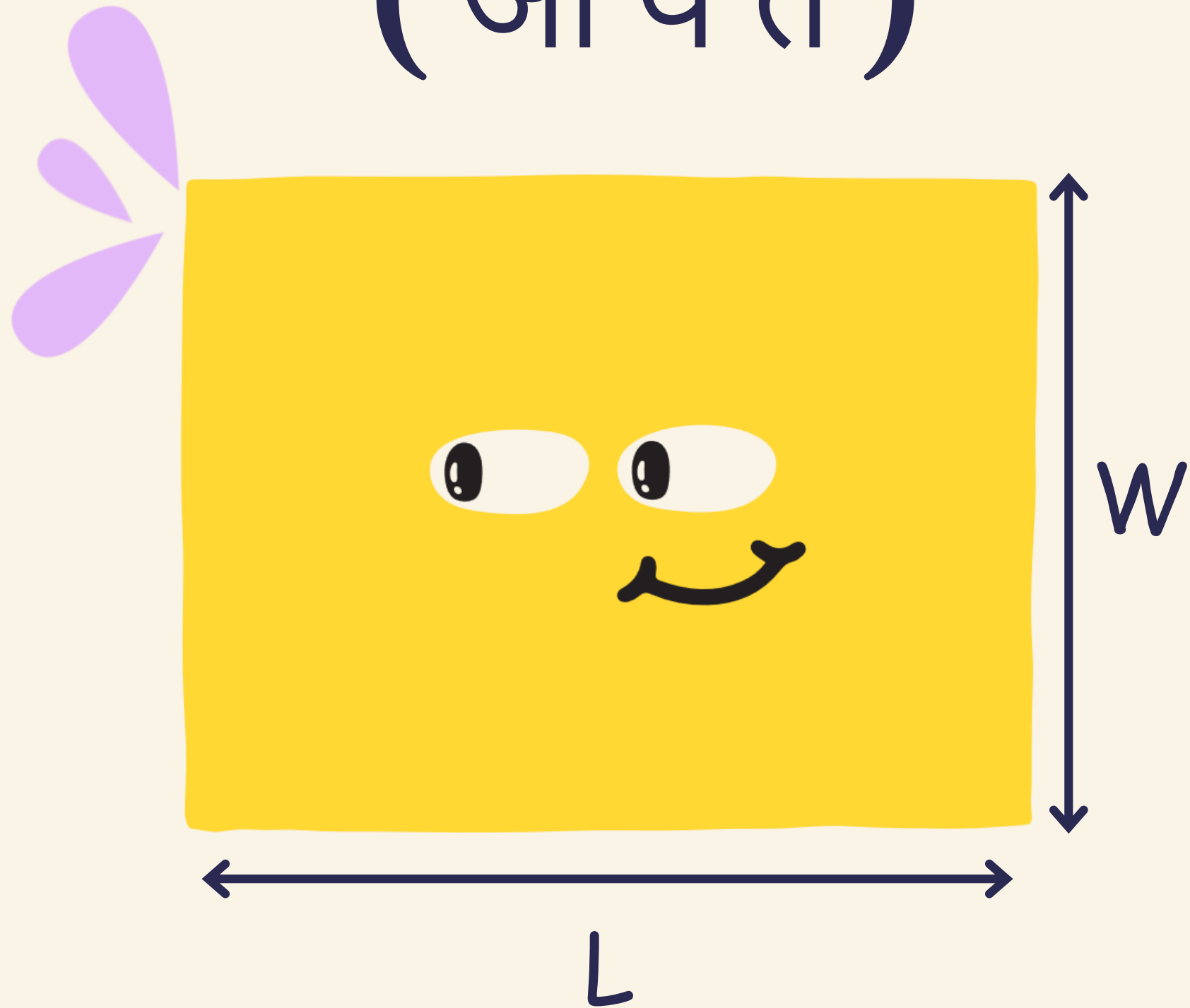
AREA (क्षेत्रफल):

$$S \times S$$

PERIMETER (परिमाप):

$$S + S + S + S$$

RECTANGLE (आयत)



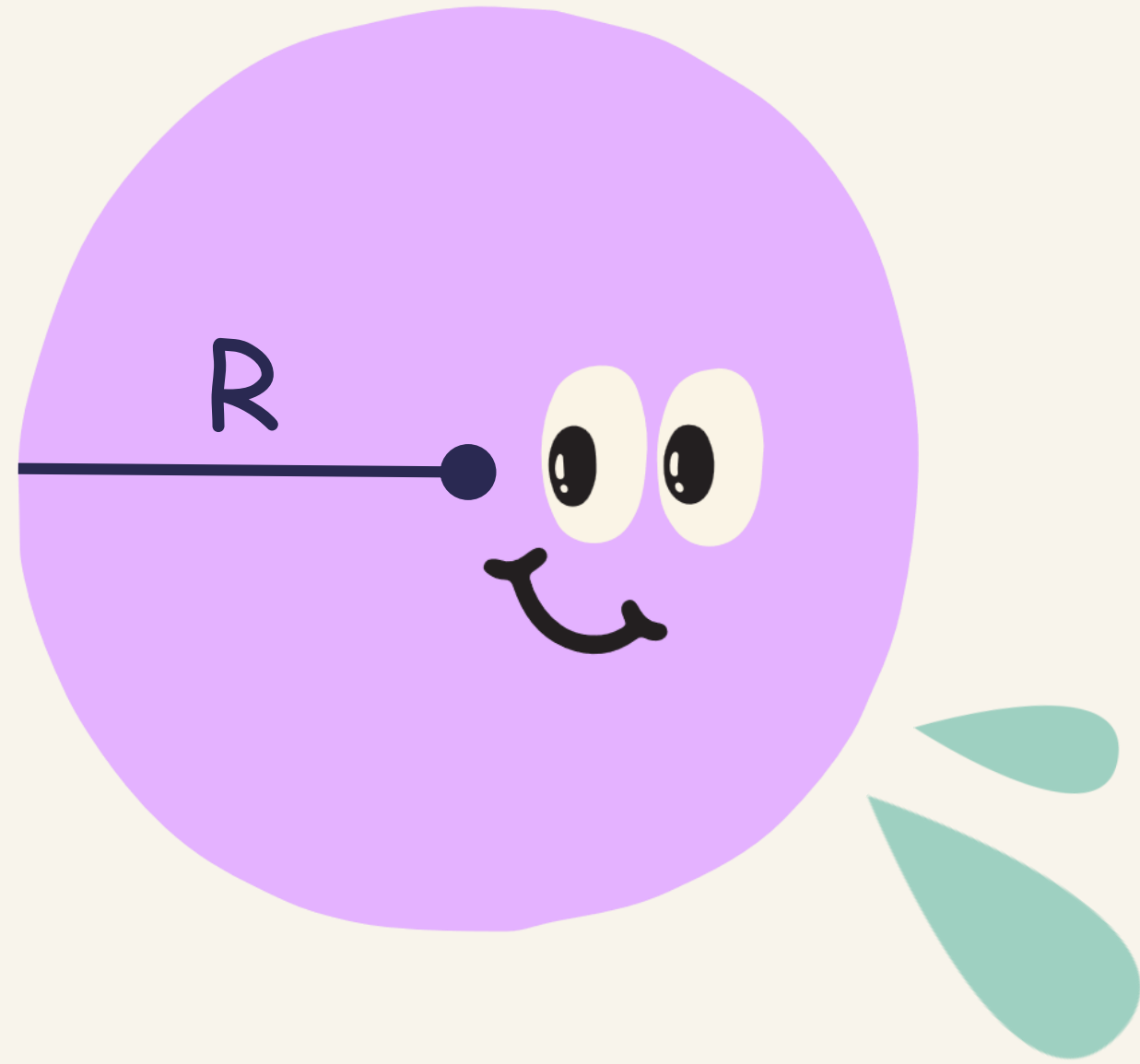
AREA (क्षेत्रफल):

$$L \times W$$

PERIMETER (परिमाप):

$$(L + W) \times 2$$

CIRCLE (वृत्त)



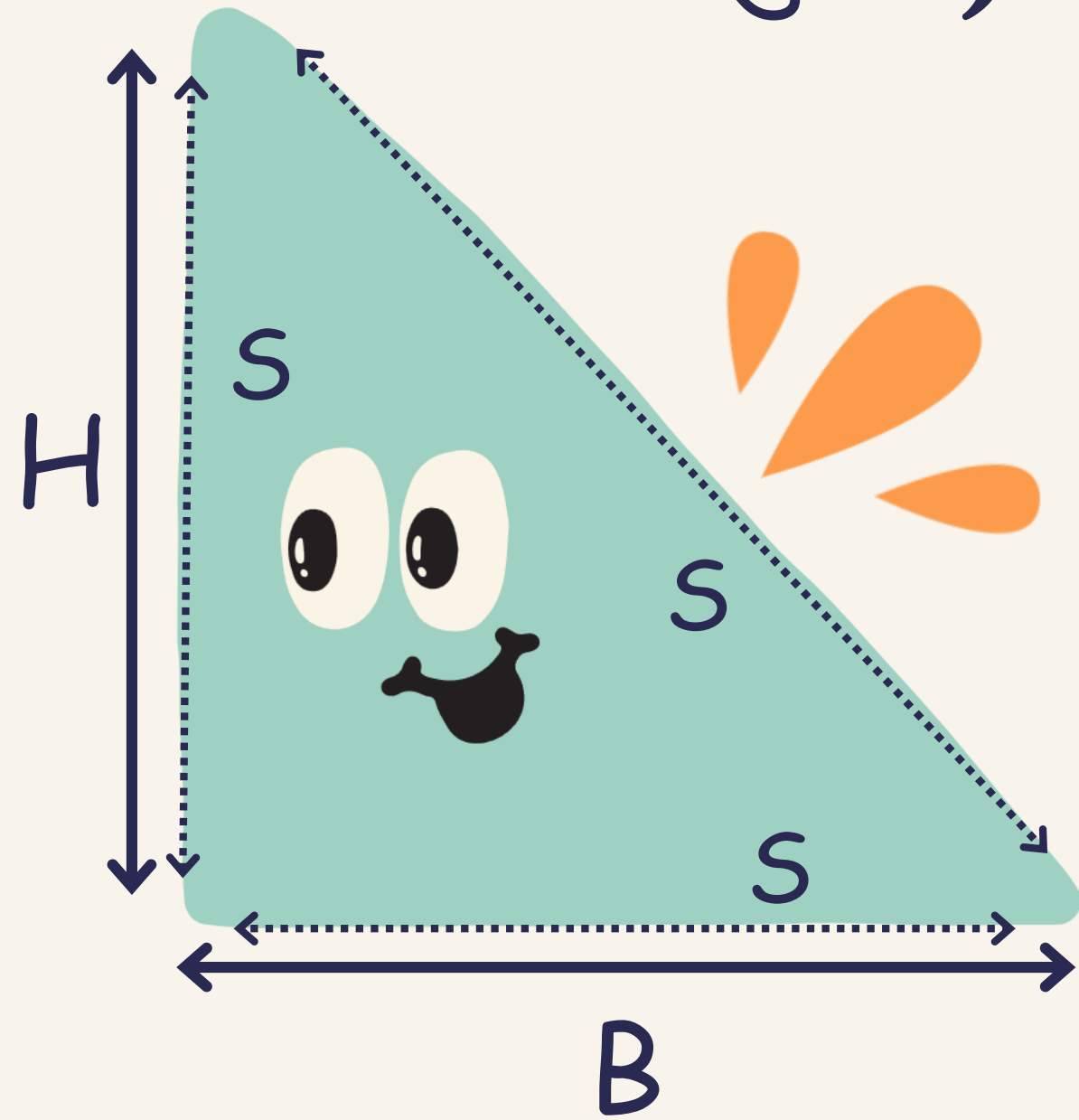
AREA (क्षेत्रफल):

$$\pi R^2$$

PERIMETER (परिमाप):

$$2\pi R$$

RIGHT ANGLE TRIANGLE (समकोण त्रिभुज)



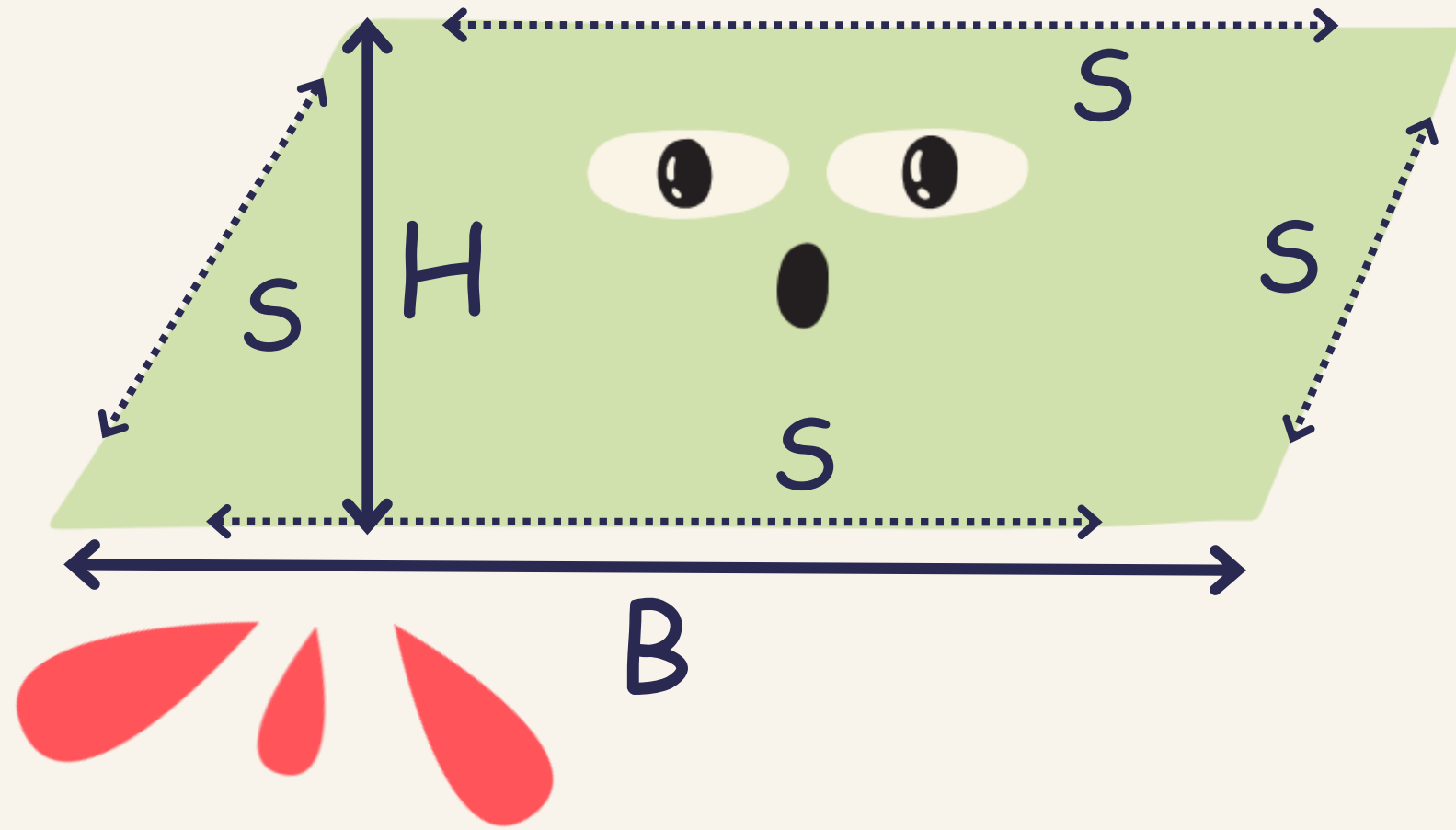
AREA (क्षेत्रफल):

$$\frac{1}{2} B \times H$$

PERIMETER (परिमाप):

$$S + S + S$$

RHOMBUS (समचतुर्भुज)



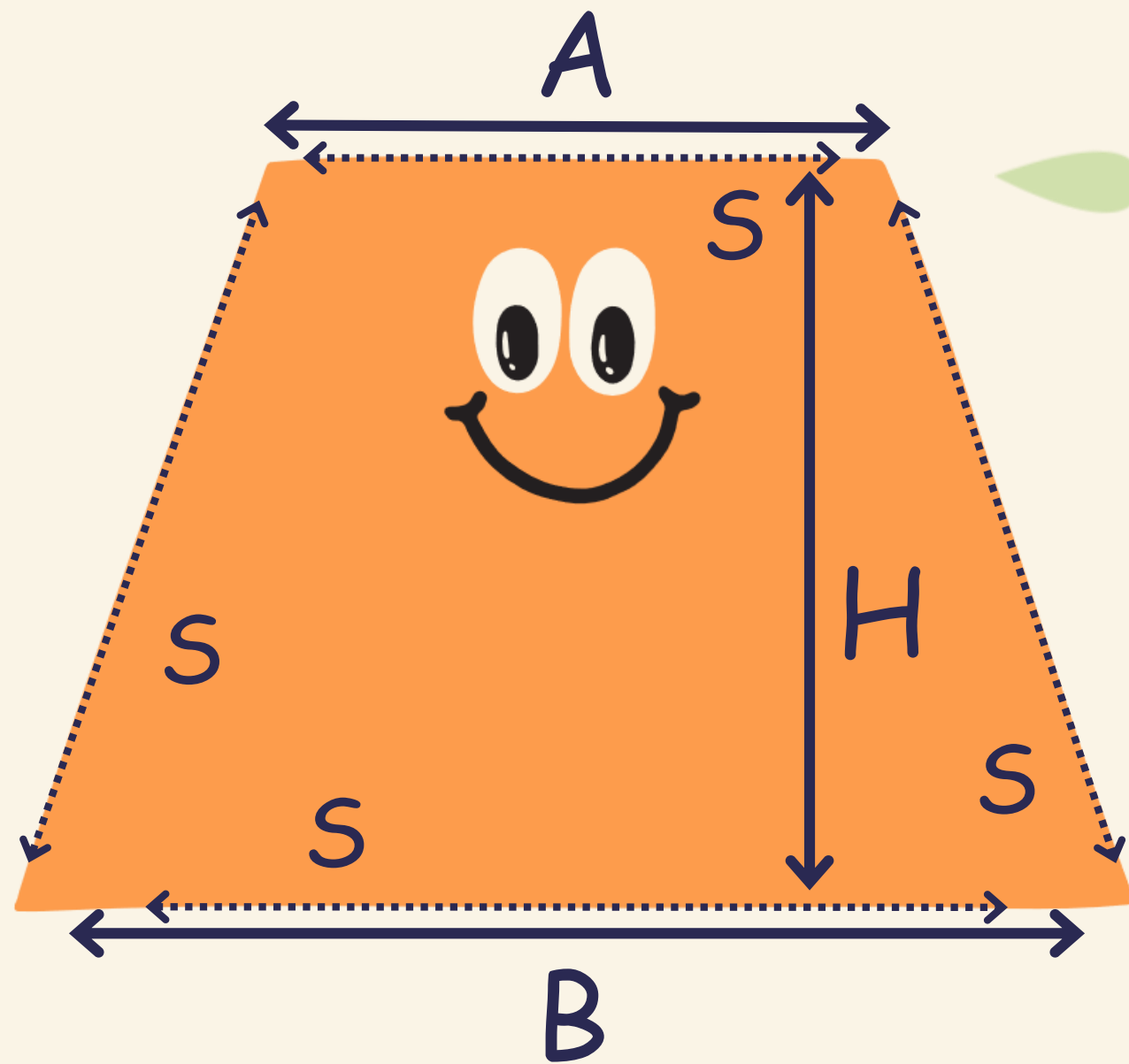
AREA
(क्षेत्रफल)

$$: B \times H$$

PERIMETER
(परिमाप):

$$S + S + S + S$$

TRAPEZOID (विषम चतुर्भुज)



AREA (क्षेत्रफल):

$$\frac{1}{2} (A + B) \times H$$

PERIMETER (परिमाप):

$$S + S + S + S$$

Thank You



welcome

Basundhara Teachers' Training
college,
Muzaffarpur, Bihar

STUDENT PROFILE

| | | |
|--------------------------------|---|---|
| NAME | - | Pushpanjali Kumari |
| ROLL NO | - | 72 |
| Session | - | 2021-2023 |
| Topic | - | Hindi (Visheshan ev uske bhed) |
| TEACHIN PRACTICE CENTER | - | Basundhara Teachers' Training college, Muzaffarpur, Bihar |

#HindiGrammarB2A

हिंदी
व्याकरण
Deep
Dive

विशेषण और विशेषण के भेद

विशेषण : परिभाषा, भेद विशेषण की परिभाषा

विशेषण वे शब्द होते हैं जो संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं। ये शब्द वाक्य में संज्ञा के साथ लगकर संज्ञा की विशेषता बताते हैं।

विशेषण विकारी शब्द होते हैं एवं इन्हें सार्थक शब्दों के आठ भेड़ों में से एक माना जाता है।

बड़ा, काला, लम्बा, दयालु, भारी, सुंदर, कायर, टेढ़ा-मेढ़ा, एक, दो, वीर पुरुष, गोरा, अच्छा, बुरा, मीठा, खट्टा आदि विशेषण शब्दों के कुछ उदाहरण हैं।

विशेषण के उदाहरण

राधा बहुत सुन्दर लड़की है।

जैसा कि आप ऊपर उदाहरण में देख सकते हैं राधा एक लड़की का नाम है। राधा नाम एक संज्ञा है। सुन्दर शब्द एक विशेषण है जो संज्ञा शब्द की विशेषता बता रहा है।

चूंकि सुन्दर शब्द संज्ञा की विशेषता बता रहा है इसलिए यह शब्द विशेषण कहलायेगा। जिस शब्द की विशेषण विशेषता बताता है उस शब्द को **विशेष्य** कहा जाता है।

विशेषण

विशेषण के भेद

विशेषण के मुख्यतः आठ भेद होते हैं :

गुणवाचक विशेषण

संख्यावाचक विशेषण

परिमाणवाचक विशेषण

सार्वनामिक विशेषण

व्यक्तिवाचक विशेषण

प्रश्नवाचक विशेषण

तुलनबोधक विशेषण

सम्बन्धवाचक विशेषण

1. गुणवाचक विशेषण :

जो विशेषण हमें संज्ञा या सर्वनाम के रूप, रंग आदि का बोध कराते हैं वे गुणवाचक विशेषण कहलाते हैं। **जैसे:**
ताज महल एक सुन्दर इमारत है।

2. संख्यावाचक विशेषण :

ऐसे शब्द जो संज्ञा या सर्वनाम की संख्या के बारे में बोध कराते हैं वे शब्द संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं। **जैसे:**
विकास चार बार खाना खाता है।

3. परिमाणवाचक विशेषण :

जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की मात्रा के बारे में बताते हैं वे शब्द परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं। **जैसे:**
मुझे एक किलो टमाटर लाकर दो।

4. सार्वनामिक विशेषण :

जो सर्वनाम शब्द संज्ञा से पहले आएँ एवं विशेषण की तरह उस संज्ञा शब्द की विशेषता बताएँ तो वे शब्द सार्वनामिक विशेषण कहलाते हैं। **जैसे:**
यह लड़का कक्षा में अक्ल आया।

5. व्यक्तिवाचक विशेषण :

जो शब्द असल में व्यक्तिवाचक संज्ञा से बने होते हैं और विशेषण शब्दों का निर्माण करते हैं, वे शब्द व्यक्तिवाचक विशेषण कहलाते हैं। **जैसे:** लखनऊ से लखनवी आदि।

मुझे भारतीय खाना बहुत पसंद है।

6. संबंधवाचक विशेषण

जब विशेषण शब्दों का प्रयोग करके किसी एक वस्तु या व्यक्ति का संबंध दूसरी वस्तु या व्यक्ति के साथ बताया जाए, तो वह संबंधवाचक विशेषण कहलाता है। इस तरह के विशेषण क्रिया, क्रिया-विशेषण आदि से बनते हैं।

जैसे: अंदरूनी यह शब्द अन्दर शब्द से बना है जो कि एक क्रिया विशेषण है। भीतरी : यह शब्द भीतर शब्द से बना है। जो की एक क्रियाविशेषण है।

7. तुलनाबोधक विशेषण

जैसा कि हम सभी जानते हैं विशेषण शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं। लेकिन कई बार दो वस्तुओं के गुण दोष आदि की तुलना कि जाती है। जिन शब्दों से दो वस्तुओं कि परस्पर तुलना की जाती है वे शब्द तुलनाबोधक विशेषण कहलाते हैं।
जैसे: राम सुरेश से ज्यादा सुन्दर है। यहाँ दो व्यक्तियों की विशेषताओं की तुलना की जा रही है।

ज़िन्दगी में एक शेर की भांति **निडर** होना चाहिए।

8. प्रश्नवाचक विशेषण

ऐसे शब्द जिनका संज्ञा या सर्वनाम में जानने के लिए प्रयोग होता है, जैसे कौन, क्या आदि वे शब्द प्रश्नवाचक विशेषण कहलाते हैं। इन शब्दों का प्रयोग करके हमें किसी वस्तु, व्यक्ति आदि के बारे में ज्यादा जानने की कोशिश की जाती है।

मेरे जाने के बाद **कौन** यहाँ आया था ?

तुम **कौन** सी वस्तु के बारे में बात कर रहे हो?

THANK YOU

Basundhara Teachers' Training

college,
Muzaffarpur, Bihar

संज्ञा व उसके भेद

Submitted By : Puja Kumari
Roll. No. 99
B.Ed. 2nd year

परिभाषा

किसी व्यक्ति, वस्तु, भाव, स्थान आदि के नाम को संज्ञा कहते हैं ।

जैसे -

व्यक्ति - भगत सिंह , कबीर दास , दीपक , राम आदि

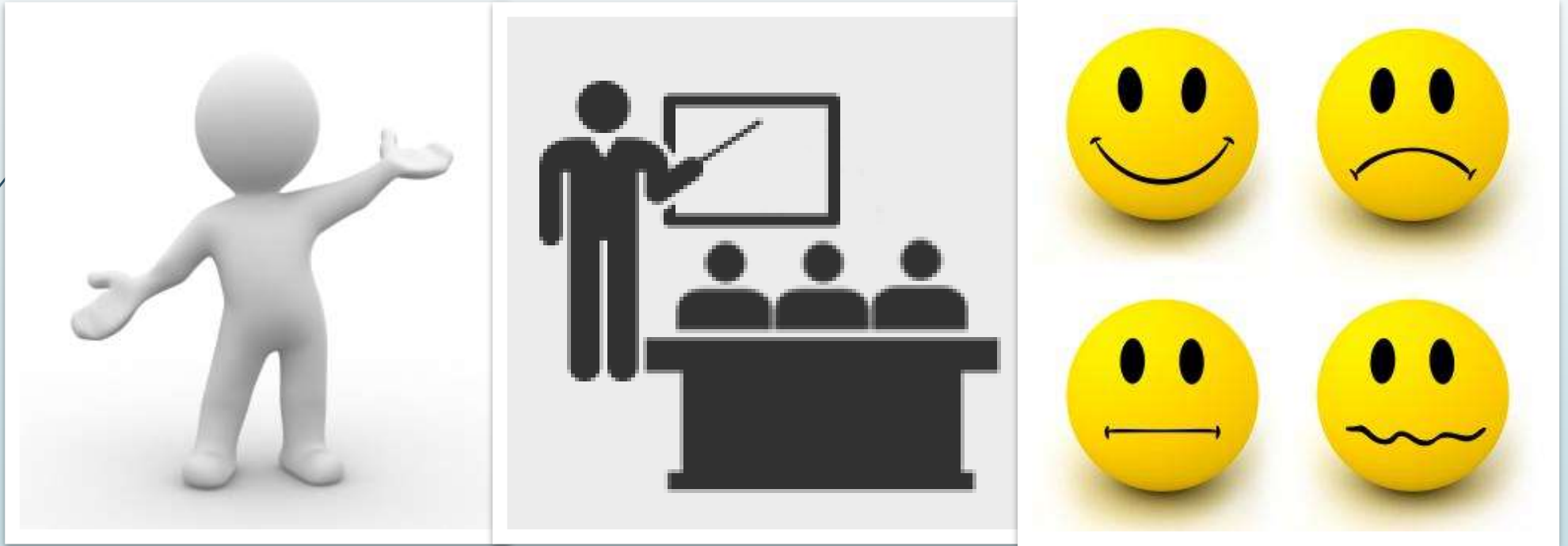
वस्तु - सेब , कुर्सी , मेज , कलम आदि

भाव - प्रेम मित्रता , मिठास , सुन्दरता , आदि

स्थान - भारत , दिल्ली , बठिंडा , पंजाब आदि

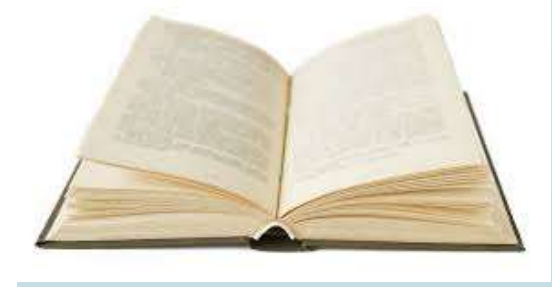


संज्ञा के भेद



मुख्यता: संज्ञा के तीन भेद माने गये हैं :-

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा
2. जातिवाचक संज्ञा
3. भाववाचक संज्ञा



1. व्यक्तिवाचक संज्ञा

जो शब्द किसी विशेष एवं निश्चित व्यक्ति, स्थान या वस्तु के नाम का बोध कराते हैं , उन्हें व्यक्तिवाचक संज्ञा शब्द कहते हैं ।



जैसे -

श्री गुरु नानक देव जी, भारत, सूर्य, भगत सिंह,
तिरंगा, ताजमहल, कुतुबमीनार, लालकिला
आदि।



2. जातिवाचक संज्ञा

जो संज्ञा शब्द किसी प्राणी, पदार्थ, या समूह की जाति के नाम का बोध कराते हैं, उन्हें जातिवाचक संज्ञा शब्द कहते हैं ।



जैसे -

मनुष्य, नदी, नगर, पर्वत, बकरी, पहाड़,
कंप्यूटर, पशु, पक्षी, लड़का, कुत्ता, गाय, घोड़ा,
भैंस, बकरी, नारी, गाँव आदि।



3. भाववाचक संज्ञा

जो शब्द से किसी व्यक्ति या वस्तु के गुण, शील, दशा, अवस्था, दोष के नाम का बोध कराते हैं, उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं।



जैसे -

बचपन, बुढ़ापा, मोटापा, मिठास थकावट,
मानवता, चतुराई, जवानी, मित्रता, खुशी,
परायापन, क्रोध, सुन्दरता आदि।





Thank You